

## **BUREAU OF INDIAN STANDARDS**

### **FOR IMMEDIATE RELEASE**

**PRESS NOTE: G/34/2017-18**

**23 February 2018**

### **BIS Accentuates the Role of Standardization in Big Data**

Bureau of Indian Standards (BIS), the National Standards Body of India, in association with Data Science Foundation organized the 5<sup>th</sup> international data science summit at New Delhi. The conference was attended by around 130 delegates from Corporate Officers and executives involved in strategy, Government Policy Planners, Academic institutions, Electrical utilities, Researchers and Developers along with Standards Development Organizations.

Eminent speakers from across the globe discussed various topics and aspects of big data, including Big Data Standardization, Challenges with Big Data, Machine Learning, Application of Big Data Analytics in Media, Artificial intelligence.

In the recent past, the topic 'Big data' have gained significant popularity globally because of its capability to revolutionize the businesses and services. In fact, Big data has an impact on every aspect of our daily life. The emerging technology areas like Internet of Things (IoT), Artificial intelligence, machine learning are fuelled by Big data and analytics only.

In India also Big data has become the major focus of scientists and technologists because of our government's new initiatives like 'Digital India'.

Standardization in Big data is going to play a major role in facilitating the exchange and sharing huge volume of data across multiple platforms, multiple applications and multiple sectors. With proper standardization in place, huge volume of data generated within a system can be effectively utilized by other systems/services and applications. The summit was successfully concluded providing insights into various applications of Big data ecosystem in the emerging technology areas like Artificial intelligence, Machine learning, IoT and Smart cities.

Alka  
(Deputy Director, PR)

## **भारतीय मानक ब्यूरो**

**तत्काल रीलीज के लिए**

**प्रेसनोट: जी/34/2017-18**

23 फरवरी 2018

### **बीआईएस ने बिग डाटा में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर दिया**

भारतके राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और डाटा साइंस फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से 5वें अंतर्राष्ट्रीय डाटा साइंस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली में किया। इस सम्मेलन में योजना में कार्यरत कॉर्पोरेट अधिकारी एवं कार्यपालक, सरकारी नीति नियोजक, शैक्षणिक संस्थान, विद्युतीय उपयोगिताएँ, शोधकर्ता और डेवलेपर के साथ साथ मानक विकास संगठन के क्षेत्रों से लगभग 130 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दुनिया भर के प्रसिद्ध वक्ताओं ने विभिन्न विषयों और बिग डाटा मानकीकरण सहित बिग डाटा के विभिन्न पहलूओं, बिग डाटा की चुनौतियों, मशीन लर्निंग, मीडिया में बिग डाटा विश्लेषण के प्रयोग, कृत्रिमबुद्धिपरकता पर विचार-विमर्श किया।

हाल ही में, व्यापार और सेवाओं में परिवर्तन लाने की अपनी क्षमता के कारण 'बिग डाटा' विषय ने पूरे विश्व में उल्लेखनीय लोकप्रियता हासिल की है। वास्तव में, बिग डाटा का हमारे दैनिक जीवन के प्रत्येक पहलू पर प्रभाव पड़ता है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), कृत्रिमबुद्धिपरकता, मशीन लर्निंग जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों को केवल बिग डाटा एवं विश्लेषण विज्ञानने ही गति प्रदान की है।

भारत में भी हमारी सरकार द्वारा 'डिजिटल इंडिया' जैसी नई पहल के कारण बिग डाटा ने बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों का ध्यान आकर्षित किया है।

बिग डाटा, मानकीकरण, अनेक एप्लिकेशनों तथा अनेक क्षेत्रों के विभिन्न प्लेटफार्मों पर भारी मात्रा में डाटा विनिमय और शेयरिंग में उल्लेखनीय भूमिका निभाने जा रहा है। समुचित मानकीकरण स्थापित होने से किसी एक पद्धति/सेवा और एप्लिकेशन द्वारा भारी मात्रा में जन्मित डाटा अन्य पद्धतियों/सेवाओं तथा एप्लिकेशनों द्वारा प्रभावी रूप से प्रयुक्त हो पाएगा।

कृत्रिमबुद्धिपरकता, मशीन लर्निंग, आईओटी और स्मार्ट सिटी जैसे उभरते हुए प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में बिग डाटा इकोसिस्टम के विभिन्न अनुप्रयोगों की जानकारी प्रदान करते हुए सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

अलका

उपनिदेशक, जनसंपर्क विभाग

